लख चौरासी छोड़ बनडो आयो रे देसी भजन

लख चौरासी छोड़,
बनडो आयो रे।bd।

हरि रंग दीनो बनडो परणे,
सतगुरु जी के आके शरणे,
बांधे मुक्ति मोड़,
बनडो उमायो रे,
लख चौरासी छोड,
बनडो आयो रे।bd।

सत्संग जान बनीं है गहरी,
चार अवस्था चांवरिया हेरि,
तूरिया तोरण तोड़,
मोर उडायो रे,
लख चौरासी छोड,
बनडो आयो रे।bd।

तत्वमसि का बाजा बजाया,
ब्रह्मा विष्णु शिव मंगल गाया,
ज्ञान गरजोडो जोड़,
पाट बिछाया रे,
लख चौरासी छोड,
बनडो आयो रे।bd।

विदेह मुक्ति दुल्हन भई लेरां,
सात भोम का खालिया फेरा,
सत चित आनन्द पोड़,
किशन सुख पायो रे,
लख चौरासी छोड,
बनडो आयो रे।bd।

लख चौरासी छोड़

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बनडो आयो रे।bd।

प्रेषक – किशन गुर्जर।
9602995014

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com